332 163

नशा युवा पीढी का अभिशाप

'नशा' ~~आज कल~~ आजकल के 'यमदेव' है। नशा सबको बर्बाद करता है इसलिए नशा अभिशाप है समाज केलिए और राज्य केलिए। नौजवान लोग यह नशे की हाथों में फसकर अपने जिंदगी को दान देते जारहे है सिर्फ ज़िंदगी ही नहीं एक उज्वल भविष्य भी खत्म होजाता है इसलिए नशे का इस्तमाल एक ~~समूचे~~ देश केलिए भी बड़ी चुनौती है। एकबार के इस्तमाल के बाद सब उसपर निर्भर होजाना है और नशे केलिए कुछ भी करने को तैयार होजाता है। बड़े-बड़े नशे की व्यापारियाँ इसको पूषण करके पैसे कमाते जाते है और मासूम और चमकते युवजन उसमें फसकर ज़िंदगी ही नष्ट करते है सिर्फ यही नहीं नशे केलिए वह लोग कुछ भी करने केलिए तैयार होजाना है इसके कारण समाज में खून, ~~चोरी~~ चोरी, बच्चों और नारियों के खिलाफ के आक्रमण आधी बढ़ते जाते है। इसलिए कोई शंका नहीं नाशा समाज केलिए एक "कैनसर" है।

यह सब क्यों?

नशे का उपयोग नौजवानों में ज्यादा दिखता है, क्यों? इसका जवाब भी सरल है, जवानी में जो जोश होता है वह ही इनसे सबकुछ कराते है, नया कुछ आसमान की ऊर्जा इनको बनाते हमेशा-हमेशा केलिए उसमें ही फसा में लेजाते है और वह लोग हमेशा-हमेशा केलिए उसमें ही फस जाता है। कई लोग अपने दुःख और दर्द भुलाने की एक उपाय जैसा इसका इस्तमाल करता है और जाल में फस जाता है इसलिए नशा का उपयोग एक अभिशाप से कम नहीं है।

ज़िंदगी से डर और नफ़रत करने वाले खुद की खुशी और जोश केलिए यह सब करते है और धीर-धीरे वह लोग अपने ज़िंदगी की नियन्त्रण नष्ट करते है इसका सही उदाहरण है मशहूर कलाकार 'मैकिल जैक्सन' का मृत्यू ऐसे ही इसारे उदाहरण है हमारे सामने इसलिए ज़रूर समझिए नशा

सबकेलिए एक भयानक "समस्या" है।

नशा और समाज

समाज अच्छा होने केलिए उसके सदस्यों को भी अच्छा होना चाहिए लेकिन नशा उपयोग समाज और परिवार को बर्बाद करता है और समाज खून, छोरी आदी शराब प्रकीयाओं के वर्धन का एक प्रमुख कारण बन जाता है इसलिए नशे का उपयोग व्यक्तियों केलिए ही नहीं समाज केलिए भी खतरा है। देखाजाए तो समाज में खून और नशे का उपयोग बढते जारहे हैं इसलिए इसको कम करना हर किसीका काम है।

नशा और बच्चे

"बच्चे फूलों के तरह मृदुल और तारों के तरह चमकीला है" - जवहर लाल नेहरू के इस वाक्यों में सबकुछ है, क्या है बच्चे एक देश केलिए इसका उत्तम उदाहरण है यह वाक्य। लेकिन आज नशे का उपयोग बच्चों में भी चल आरहे हैं इसलिए नशा एक देश केलिए भी विनाशकारी वस्तु है।

बच्चों के सरल और मृदुल मन में नशे का प्रयोग विनाशकारी प्रभाव लेआते हैं और उनके ज़िदगी और सपनों को नष्ट करने व्यसन को हमें जरूर रोकना चाहिए। हमारा जुनून है इसलिए बच्चों में नशे के कई उज्वल सपने और इरादे टूटजाएँगे। नहीं तो और परिश्रम नशे के बर्बादी होना चाहिए।

नशा क्यों अभिशाप है?

नशा एक भोज है समाज और भविष्य केलिए यही प्रमुख लोगों का मानना है इसलिए हमारे सबके भविष्य केलिए यह "नशा" को समाज से साफ करना चाहिए। ज़िदगी में मज़े खोजते-खोजते इस तरह के मुश्किलों में फस जाते हैं लेकिन हम पूरी दिल से कोशिश करने यह सब जालों से रक्षा प्राप्त करसकते हैं इसलिए इनलोगों को 'प्यार की रोशनी'

दिखाना जरूरी है। इसमें सरकार और साधारण जन की भूमिका बहुत बड़ा है एक इंसान की रक्षा भी हमारे लिए बहुत कीमती है।

जवान लोग ही देश को चलाते हैं लेकिन इन्हीं लोगों की निष्क्रियता देश की विकास में कमी करते हैं। नशा कितना खतरा है समाज के लिए इसका एक उदाहरण - जब दूसरा विश्व युद्ध खत्म हुआ तब लगभग तीन करोड़ लोग मारे गए लेकिन नशे की 'खाड़ी' में फसकर अबतक ५ करोड़ से ज्यादा लोग मारे गए, दूसरा विश्व युद्ध खत्म हुआ लेकिन नशे के खिलाफ के युद्ध अब भी जारी है और पिछले दो दशक से वह जारी है।

- नशा और संक्रमण

नशा हमारी पूरी जिंदगी में आक्रमण करता है। नशा हमारी पूरी जिंदगी में आक्रमण करता है, खानपान, पानी पीने और संक्रमण को नर्वीक करते हैं, खानपान, पानी पीने और लिवर सिरोसिस, मानसिक बीमारियां आदि नशे के दोष हैं। और प्रयोग करने वाला समाज का प्रयोग करता है और प्रयोग वाला तन मन को प्रयोग करता है के लिए विनाशकारी बन जाता है।

नशे का उपयोग करनेवालों में आत्महत्या करने वालों की संख्या बहुत अधिक है। इसका कारण मानसिक बीमारियाँ हैं। एक देश का काम है जनता के जीवन का संरक्षण इसलिए नशे का उपयोग खत्म करना देश का भी काम है यही उनका जुनून होना चाहिए।

नशे के इस्तेमाल के कारण होनेवाले अभियोगों का आज बढ़ते जा रहे हैं नारियों और बच्चों के खिलाफ यह ज्यादा है। भारत में एक कहावत था प्राचीन काल में -

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते
रमन्ते तत्र देवता"

इसका मतलब है कि जहाँ नारियों की पूजा होती है वहीं देवता का ही पूजा होता है लेकिन यही आज में आज नारियाँ रात में अकेले बाहर जाने से डरते हैं।

क्यों? क्योंकी इन नशोंकी नशा करके रात में मनुष्य -
जानवर बन जाता है और अपने पसंद का काम करते हैं और
इस सबसे हमारे संस्कार और प्यार में जो दरार आते हो उसके -
बारे में क्या कहना। इंसान को जानवर बनाने वाले इस तरह के -
वस्तुओं का हमें कोई जरूरत नहीं है" यही होना चाहिए-
[illegible] [illegible] और [illegible] [illegible] [illegible] इस नाश से रक्षा ले
[illegible] [illegible] और [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
पाएगी।

यह सबका उपाय
इससे रक्षा लेने केलिए जरूर एक उपाय है. उसमें -
सबसे अवबोध डालना इसलिए एक
पहला है नशे के खिलाफ सबमें अवबोध डालना इसलिए एक
प्रचारण बहुत ज्यादा जरूरी है। इंसान इंसान को जगाने वाले
इस बात पर सही तरह से जंग लड़कर ही हम विजय लेसकते हैं -
इसलिए हरकिसीकी भूमिका इसमें ज्यादा है। बच्चों में नशे का -
इस्तेमाल ही सबसे बड़ा खतरा है इसे रोकने केलिए घर से -
स्कूल तक सही निरीक्षण जरूरी है।

एक कहानि के साथ खत्म करता हूँ। एक घर में 5 साल -
एक छोटा शरारती बच्चा रहता था वह. एक दिन मेज में दिखे -
एक आवश्य वस्तु को लिया और उसे फाट दिया और कुछ काम -
वहाँ से चलागया कुछ देर बाद जब पिताजी आया तो वह
गुस्सा हुआ क्योंकी वह वस्तु एक नक्शा था। क्या कहें
पिताजी बहुत गुस्सा हुआ और उस बच्चे से उसे ठीक -
करनेकेलिए कहा और कहीं चलागया। कुछ देर बाद आकर
देखा तो दिखा कीकि वह नक्शा ठीक हुआ था पिताजी -
आश्चर्य से पूछा- तुमने यह नक्शा कैसे ठीक किया?
तब उसने हसकर कहा। "मैं ने तो वह इंसान को ठीक -
किया नक्शे को नहीं"। उसके पीछे एक इंसान का चित्र
था। यहाँ इंसान ठीक हुआ तो दुनिया भी ठीक हुआ -
इसलिए यह एक सीख है कि इंसान ठीक हुआ तो

दुनिया भी ठीक हो जाता है। इसलिए एक अच्छी दुनिया के लिए हम खुद को बदलें।

जय हिन्द।